



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 48] नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 6, 1991/माघ 17, 1912

No. 48] NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 6, 1991/MAGHA 17, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1991

सं. 4/91 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एनटी)

सा.का.नि. 57(अ) :—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उप प्रया  
के अनुसार केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन  
उत्पाद शुल्क के उद्ग्रहण की बाबत (जिम्मे अन्तर्गत उसका उद्ग्रहण न किया जाना भी है)

साधारणतया प्रचलित थी, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के अध्याय 72 के अन्तर्गत आने वाली शीत प्रक्षिप्त या शीत परिक्षिप्त इस्पात की शलाकाओं पर जिनको सामान्य रूप से चमकदार शलाकाओं के रूप में जाना जाता है और जो ऐसे शुल्क संचित निवेशों से निमित्त का गई हैं जिन पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, 1944 के नियम 56क या 57क के अधीन शुल्क के प्रत्यय का लाभ नहीं उठाया गया था, उत्पाद-शुल्क 1 मार्च, 1988 को प्रारंभ होने वाली और 19 मई, 1988 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहीत नहीं किया जा रहा था ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त प्रथा के न होने पर, ऐसी शीत प्रक्षिप्त या शीत परिक्षिप्त इस्पात शलाकाओं पर प्रथम वर्णित अधिनियम के अधीन संदेय संपूर्ण उत्पाद-शुल्क, ऐसी शीत प्रक्षिप्त या शीत परिक्षिप्त इस्पात शलाकाओं की बाबत संदाय किया जाना अपेक्षित नहीं होगा, जिन पर उक्त उत्पाद-शुल्क उक्त प्रथा के अनुसार पूर्वोक्त अवधि के दौरान उद्ग्रहीत नहीं किया गया था ।

[फा. सं० 139/49/88 सी एक्स-4]

ए. एन. शर्मा, अवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 6th February, 1991

No. 4/91-Central Excises (NT)

G.S.R. 57(E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on cold formed or cold finished steel bars commonly known as Bright Bars, falling within Chapter 72 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) and made from duty paid inputs on which credit of duty under rule 56A or 57A of the Central Excise Rules, 1944 had not been availed of, was not being levied under section 3 of the first mentioned Act during the period commencing on the 1st day of March, 1988 and ending with the 19th day of May, 1988 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the first mentioned Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise payable under the first mentioned Act on such cold formed or cold finished steel bars, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such cold formed or cold finished steel bars, on which the said duty of excise was not levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice

[F. No. 139/49/88-CX. 4]

A. N. SHARMA, Under Secy.

